

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक : एफ/विकास/2012/१०४


दिनांक 6 Feb 2012

// अधिसूचना //

सर्व संबंधित छात्रों को सूचित किया जाता है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 23 (1) चार के अंतर्गत महामहिम भूतपूर्व राष्ट्रपति, डॉ० शंकरदयाल शर्मा, राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित जीवाजी विश्वविद्यालय के एक छात्र को उसकी सर्वांगीण दक्षता के आधार पर सत्र 1995-96 से प्रतिवर्ष एक स्वर्ण पदक भारत के राष्ट्रपति "डॉ० शंकरदयाल शर्मा स्वर्ण पदक" स्थापित किया है। सर्वांगीण दक्षता से आशय छात्र का चरित्र, आचरण/व्यवहार, शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्टता, अन्य व्यवहारिक गतिविधियां तथा समाज सेवा सम्मिलित है।

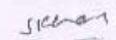
इस स्वर्ण पदक हेतु योग्य छात्रों के चुनाव के लिये जिन छात्रों ने स्नातकोत्तर कक्षाओं की वर्ष 2010 की प्रावीण्य सूचियों में स्थान प्राप्त किया है उन छात्रों से सादे कागज पर पूर्ण विवरण एवं प्रमाण पत्रों सहित आवेदन पत्र दिनांक 28 फरवरी 2012 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

पूर्व में जिन छात्रों ने उक्त स्वर्ण पदक हेतु आवेदन जमा किये हैं, और उनका चयन अभी तक नहीं हो सका है ऐसे छात्र-छात्राओं को भी इस अधिसूचना के संदर्भ में पुनः आवेदन करना अनिवार्य है। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। उक्त अधिसूचना एवं "डॉ० शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक" के चयन सम्बन्धी नियम विश्वविद्यालय की "वेब साइट" www.Jiwaji.edu पर देखे जा सकते हैं।


कुलसचिव

प्रति,

1. सम्पादक महोदय "दैनिक भास्कर" की ओर भेजकर निवेदन है कि आप उक्त अधिसूचना अपने लोकप्रिय समाचार पत्र में विज्ञापन के रूप में छापने की कृपा करें।
2. वेबसाइट प्रभारी, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर। कृपया उक्त पत्र को 'वेबसाइट' पर प्रदर्शित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।


सहायक कुलसचिव (विकास)